The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR
For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT
PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED
Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Wednesday, July 08, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- संजीव जैन को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए दक्षिण कोरिया में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया
- भारत ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में 4 स्वर्ण सहित 20 पदक हासिल किए
- डीवीआईपीए डिफेंस और डीआरडीओ ने संयुक्त रूप से 100 दिनों में स्वदेशी यूजीआरएएम 7.62×51 एमएम बैटल राइफल विकसित की
- मध्य प्रदेश वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला पहला राज्य बना
- मेलबर्न विश्वविद्यालय ने तमिलनाडु में उभरती प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए टिडको के साथ साझेदारी की
- पद्म विभूषण से सम्मानित और पांडवानी की महान गायिका तीजन बाई का 70 वर्ष की आयु में निधन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंदांग आदिपूर्णा पुरस्कार से सम्मानित किया
- भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस मिसाइल आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा सहयोग पर रणनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- भारत और जापान ने यूनिकॉर्न नेवल मास्ट सिस्टम के लिए पहले रक्षा सह-विकास समझौते पर हस्ताक्षर किए
- इसरो ने गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए सॉल्व का पहला जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक किया

संजीव जैन दक्षिण कोरिया में भारत के अगले राजदूत नियुक्त किए गए

- विदेश मंत्रालय (MEA) ने 2008 बैच के भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारी संजीव जैन को कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया है।
- वह वर्तमान में काबो वर्डे में भारत के राजदूत के रूप में सेवारत हैं और दक्षिण कोरिया में भारत के राजदूत के रूप में गौरंगलाल दास की जगह लेंगे।
- यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत और दक्षिण कोरिया व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, सेमीकंडक्टर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को गहरा कर रहे हैं।
- इससे पहले आसियान देशों को संभालने वाले विदेश मंत्रालय (MEA) में कार्य किया और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सहित प्रमुख बहुपक्षीय कार्यक्रमों के आयोजन से जुड़े थे।

भारत-दक्षिण कोरिया संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1973।
- विशेष रणनीतिक साझेदारी में उन्नत: 2015।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- व्यापार और निवेश
- रक्षा और समुद्री सुरक्षा
- सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण
- हरित हाइड्रोजन और स्वच्छ ऊर्जा
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)
- इंडो-पैसिफिक सहयोग

- दक्षिण कोरिया एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (आईपीओआई) के तहत भारत के महत्वपूर्ण भागीदारों में से एक है।

प्रमुख द्विपक्षीय समझौते:

- व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए): 2009 में हस्ताक्षरित, 2010 से कार्यरत।
- विशेष रणनीतिक साझेदारी के तहत सहयोग में रक्षा उत्पादन, जहाज निर्माण, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया के बारे में:

- आधिकारिक नाम: कोरिया गणराज्य (ROK)।
- राजधानी: सियोल।
- मुद्रा: दक्षिण कोरियाई वोन (KRW)।
- राष्ट्रपति: ली जे-म्युंग।
- पड़ोसी देश: उत्तर कोरिया, चीन (पीले सागर के पार), और जापान (जापान सागर के पार/पूर्वी सागर के पार)।

- दक्षिण कोरिया एशिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और जहाज निर्माण में वैश्विक नेता है।

भारतीय विदेश सेवा (IFS) के बारे में:

- गठित: 1946।
- कैडर नियंत्रण प्राधिकरण: विदेश मंत्रालय (एमईए)।
- भर्ती: यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से।

भूमिका:

- विदेशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व करता है।
- विदेशों में भारत के राजनयिक, रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों को बढ़ावा देता है।
- अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों पर बातचीत करता है।
- विदेशों में भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- नए राजदूत: संजीव जैन।
- देश: कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया)।
- सेवा: भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), 2008 बैच।
- नियुक्ति से पहले वर्तमान पोस्टिंग: काबो वर्डे में राजदूत।
- सफल: गौरंगलाल दास।

- राजनयिक संबंध: भारत-दक्षिण कोरिया की स्थापना 1973 में हुई थी।
- विशेष रणनीतिक साझेदारी: 2015 से।
- प्रमुख व्यापार समझौता: व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए), 2009।
- प्रशासनिक मंत्रालय: विदेश मंत्रालय (एमईए)।
- मुख्य नीति लिंक: एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक रणनीति।

भारत ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में 20 पदक जीते

- भारत ने थाईलैंड के पटाया में आयोजित अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें 4 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य सहित 20 पदक जीते।
- भारतीय पहलवानों ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल, महिला कुश्ती और ग्रीको-रोमन स्पर्धाओं में पोडियम फिनिश हासिल किया, जिसमें महिला टीम टीम स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर रही और पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम भी शीर्ष तीन में रही।
- यह प्रदर्शन आयु वर्ग कुश्ती में भारत की बढ़ती ताकत और भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए इसकी मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन को दर्शाता है।

भारत की पदक तालिका:

- सोना: 4
- चांदी: 7
- कांस्य: 9
- कुल पदक: 20
- स्वर्ण पदक विजेता:
- परवीन - महिलाओं का 50 किग्रा
- मुस्कान – महिला 53 किग्रा
- काजल – महिला 76 किग्रा
- सुमित कुमार लक्ष्मण भारस्कर – पुरुष फ्रीस्टाइल 70 किग्रा

चैम्पियनशिप हाइलाइट्स:

- स्थान: पटाया, थाईलैंड
- टूर्नामेंट: अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026

अनुशासन:

- पुरुषों की फ्रीस्टाइल
- महिला कुश्ती
- ग्रीको-रोमन कुश्ती
- भारत ने तीनों खेलों में पदक जीतने का प्रदर्शन किया।
- महिला टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, चीन से ठीक पीछे और जापान से आगे रही।

अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के बारे में:

- यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) और एशियाई कुश्ती शासी निकाय के तत्वावधान में आयोजित किया जाता है।
- 20 वर्ष से कम आयु के पहलवानों के लिए वार्षिक महाद्वीपीय चैंपियनशिप।
- भविष्य के ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप पहलवानों की पहचान करने और उनका पोषण करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है।

इसमें प्रतियोगिताएं शामिल हैं:

- पुरुषों की फ्रीस्टाइल
- महिला कुश्ती
- ग्रीको-रोमन कुश्ती।
- यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) के बारे में:
- स्थापित: 1912 (मूल रूप से FILA के रूप में; 2014 में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का नाम बदलकर)।
- मुख्यालय: Corsier-sur-Vevey, स्विट्जरलैंड।
- राष्ट्रपति: नेनाद लालोविक।
- भूमिका: कुश्ती के खेल के लिए अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय।
- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त।

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के बारे में:

- स्थापित: 1958.
- मुख्यालय: नई दिल्ली।

- संबद्ध: यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW), इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (IOA), और युवा मामले और खेल मंत्रालय।
- भूमिका: भारत में कुश्ती के लिए शासी निकाय, एथलीट चयन, कोचिंग और खेल को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- टूर्नामेंट: अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026।
- स्थान: पटाया, थाईलैंड।
- भारत की पदक तालिका: 20 (4 स्वर्ण, 7 रजत, 9 कांस्य)।
- महिला टीम रैंकिंग: दूसरा।
- आयोजक: यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW)।
- UWW मुख्यालय: Corsier-sur-Vevey, स्विट्जरलैंड।
- UWW अध्यक्ष: नेनाद लालोविक।
- भारतीय शासी निकाय: भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई)।

रक्षा स्टार्टअप और डीआरडीओ के एआरडीई ने संयुक्त रूप से 100 दिनों में स्वदेशी उगाम राइफल विकसित की

- हैदराबाद स्थित रक्षा स्टार्टअप द्वीप डिफेंस ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला, आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) के सहयोग से केवल 100 दिनों में यूजीआरएएम 7.62×51 मिमी बैटल राइफल विकसित की है।
- राइफल ने प्रमुख भारतीय सेना जनरल स्टाफ गुणात्मक आवश्यकता (जीएसक्यूआर) परीक्षणों, व्यापक क्षेत्र मूल्यांकन और गृह मंत्रालय (एमएचए) परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- यह अब सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और एनएसजी सहित कई केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) द्वारा खरीद की ओर बढ़ रहा है।

UGRAM बैटल राइफल क्या है?

- UGRAM एक स्वदेशी 7.62×51 मिमी नाटो कैलिबर बैटल राइफल है जिसे सैन्य और आंतरिक सुरक्षा अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे संयुक्त रूप से द्विपा रक्षा और डीआरडीओ के एआरडीई द्वारा विकसित किया गया है ताकि विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में काम करने में सक्षम एक आधुनिक, हल्का और अत्यधिक विश्वसनीय हथियार प्रणाली प्रदान किया जा सके।

प्रमुख विशेषताऐं:

- हथियार: UGRAM बैटल राइफल।
- द्वारा विकसित: Dvipa Defence और DRDO के आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (ARDE)।
- विकास का समय: 100 दिन।
- कैलिबर: 7.62×51 मिमी नाटो।
- ऑपरेटिंग सिस्टम: गैस संचालित घूर्णन बोल्ट तंत्र।
- वजन: 4 किलो से कम।
- प्रभावी सीमा: लगभग 500 मीटर।

सफलतापूर्वक पूरा हुआ:

- भारतीय सेना जीएसक्यूआर परीक्षण।
- एमएचए बोर्ड परीक्षण।
- विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में विश्वसनीयता और धीरज परीक्षण।

प्रस्तावित उपयोगकर्ता:

- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)
- भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)
- सशस्त्र सीमा बल (SSB)
- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी)।

ARDE के बारे में:

- आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक प्रमुख प्रयोगशाला है।
- स्थापित: 1958.
- स्थान: पुणे, महाराष्ट्र।
- मूल संगठन: DRDO।

भूमिका:

- छोटे हथियारों का विकास।
- तोपखाने प्रणाली।
- टैंक बंदूकें।
- गोला बारूद।
- रॉकेट और मिसाइल लांचर सिस्टम।

- विकसित की गई प्रमुख स्वदेशी प्रणालियों में इंसास, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर, एएसएमआई सबमशीन गन और विभिन्न आर्टिलरी सिस्टम शामिल हैं।

DRDO के बारे में:

- स्थापित: 1958.
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- चेयरमैन: राजेश कुमार सिंह,

जनरल स्टाफ गुणात्मक आवश्यकता (जीएसक्यूआर) के बारे में:

- जीएसक्यूआर रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए भारतीय सेना द्वारा तैयार किए गए परिचालन और तकनीकी विशिष्टताओं का एक सेट है।
- किसी भी स्वदेशी या आयातित रक्षा प्रणाली को सेवा में शामिल करने से पहले जीएसक्यूआर मानकों को पूरा करना होगा।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- हथियार: UGRAM 7.62×51 मिमी बैटल राइफल।
- द्वारा विकसित: Dvipa Defence और DRDO के ARDE।
- विकास का समय: 100 दिन।
- कैलिबर: 7.62×51 मिमी नाटो।
- एआरडीई का मूल संगठन: डीआरडीओ।
- एआरडीई स्थान: पुणे, महाराष्ट्र।
- डीआरडीओ का प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
- खरीद एजेंसियां: सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी।
- ट्रायल क्लियर: भारतीय सेना जीएसक्यूआर और एमएचए ट्रायल।

मध्य प्रदेश वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला पहला राज्य बना

- मध्य प्रदेश वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के तहत अपने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।
- नवगठित 10 सदस्यीय मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में पहली बार दो गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्य शामिल हैं, जो संशोधित कानून द्वारा पेश किए गए परिवर्तनों को दर्शाता है।
- सांवर पटेल को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुनर्गठन को मध्य प्रदेश राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित किया गया था।

वक्फ बोर्ड क्या है?

- वक्फ बोर्ड राज्य में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन, पर्यवेक्षण, सुरक्षा और प्रबंधन के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत राज्य सरकार द्वारा गठित एक वैधानिक निकाय है।
- वक्फ इस्लामी कानून के तहत धार्मिक, धर्मार्थ या पवित्र उद्देश्यों के लिए एक मुस्लिम द्वारा समर्पित चल या अचल संपत्ति का एक स्थायी बंदोबस्ती है।

मुख्य विचार:

- ऐतिहासिक विशेषता: पहली बार दो गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों को शामिल करना।

गैर-मुस्लिम सदस्य:

- मनोज मालपानी (इंदौर)
- अनिमेष भार्गव (गुना)
- अधिसूचना: मध्य प्रदेश राजपत्र के माध्यम से जारी किया गया।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के बारे में

- वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों के शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार के लिए अधिनियमित किया गया था।

प्रमुख प्रावधान:

- राज् य वक् फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस् यों को शामिल करने की अनुमति देता है।

- वक्फ संपत्ति प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाता है।
- वक्फ परिसंपत्तियों के डिजिटलीकरण और रिकॉर्ड प्रबंधन को मजबूत करता है।
- वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और उपयोग में सुधार लाने का प्रयास किया गया है।
- वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (UWMEED) अधिनियम, 1995 कर दिया गया है।

केंद्रीय वक्फ परिषद के बारे में:

- स्थापित: 1964.
- प्रशासनिक मंत्रालय: अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय।
- प्रकृति: सांविधिक सलाहकार निकाय।

भूमिका:

- वक्फ प्रशासन से संबंधित मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह दी।
- राज्य वक्फ बोर्डों के कामकाज की निगरानी करता है।
- वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देता है।

वक्फ प्रॉपर्टीज के बारे में:

वक्फ गुण स्थायी रूप से इसके लिए समर्पित हैं:

- धार्मिक उद्देश्य।
- शिक्षण संस्थान।
- धर्मार्थ गतिविधियाँ।
- समाज कल्याण।

- एक बार वक्फ के रूप में घोषित होने के बाद, संपत्ति को आम तौर पर कानून के तहत अनुमति के अलावा हस्तांतरित, बेचा या विरासत में नहीं लिया जा सकता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- पहला राज्य: मध्य प्रदेश।
- अधिनियम: वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025
- बोर्ड अध्यक्ष: सांवर पटेल।
- बोर्ड का आकार: 10 सदस्य।
- ऐतिहासिक परिवर्तन: दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना।
- प्रशासनिक मंत्रालय (केंद्रीय वक्फ परिषद): अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय।
- मूल विधान: वक्फ अधिनियम, 1995 (संशोधन के तहत UWMEED अधिनियम, 1995 के रूप में नाम दिया गया)।
- वक्फ का उद्देश्य: धार्मिक, धर्मार्थ और सामाजिक कल्याण उद्देश्यों के लिए समर्पित वक्फ संपत्तियों का प्रशासन और संरक्षण।

मेलबर्न विश्वविद्यालय ने तमिलनाडु में उभरती प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए टीआईडीसीओ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- मेलबर्न विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया) ने तमिलनाडु नॉलेज सिटी, तिरुवल्लूर में उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम (TIDCO) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह केंद्र 20,000 वर्ग फुट की अनुसंधान और शिक्षण सुविधा से काम करेगा और क्वांटम कंप्यूटिंग, कृषि-तकनीक और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- इस पहल का उद्देश्य अनुसंधान, नवाचार, उद्योग-अकादमिक साझेदारी और कार्यबल विकास में भारत-ऑस्ट्रेलिया सहयोग को मजबूत करना है।

सेंटर फॉर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज क्या है?

- प्रस्तावित सेंटर फॉर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज शोधकर्ताओं, छात्रों, उद्योगों और नीति निर्माताओं के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकियों में बुनियादी, अनुप्रयुक्त और अनुवाद संबंधी अनुसंधान करने के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में काम करेगा। यह प्रमाणन कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, प्रोटोटाइप, पायलट परीक्षण, तकनीकी कार्यशालाओं, विनिमय कार्यक्रमों और दोहरे प्रमाणन पाठ्यक्रमों के माध्यम से उद्योग-उन्मुख शिक्षा की सुविधा भी प्रदान करेगा।

उद्देश्य:

- उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना।
- उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना।
- विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कुशल कार्यबल विकसित करना।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत-ऑस्ट्रेलिया सहयोग को बढ़ावा देना।
- अनुसंधान और नवाचार के व्यावसायीकरण का समर्थन करना।

TIDCO के बारे में:

- तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम (TIDCO) औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश को आकर्षित करने के लिए स्थापित तमिलनाडु सरकार का एक उद्यम है।
- स्थापित: 1965.
- मुख्यालय: चेन्नई, तमिलनाडु।
- प्रशासनिक विभाग: उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य विभाग, तमिलनाडु सरकार।

तमिलनाडु नॉलेज सिटी के बारे में:

- स्थान: तिरुवल्लूर, तमिलनाडु।
- उद्देश्य: शिक्षा, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग के लिए एकीकृत ज्ञान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र।
- वैश्विक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया।

मेलबर्न विश्वविद्यालय के बारे में:

- स्थापित: 1853।
- स्थान: मेलबर्न, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया।
- प्रकार: सार्वजनिक अनुसंधान विश्वविद्यालय।
- ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक और ग्रुप ऑफ आठ (Go8) का सदस्य - ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी शोध-गहन विश्वविद्यालयों का गठबंधन।
- अनुसंधान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1941।
- व्यापक रणनीतिक साझेदारी (CSP): 2020 में उन्नत।
- आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए): 2022 में हस्ताक्षरित।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- शिक्षा और कौशल विकास
- महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां
- रक्षा और समुद्री सुरक्षा
- स्वच्छ ऊर्जा
- महत्वपूर्ण खनिज
- डिजिटल अर्थव्यवस्था
- अनुसंधान और नवाचार

परीक्षा फोकस बिंदु:

- के बीच समझौता ज्ञापन: मेलबर्न विश्वविद्यालय और TIDCO।
- परियोजना: उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए केंद्र।
- स्थान: तमिलनाडु नॉलेज सिटी, तिरुवल्लूर।
- सुविधा का आकार: 20,000 वर्ग फुट।
- फोकस क्षेत्र: क्वांटम कंप्यूटिंग, कृषि-तकनीक, उभरती प्रौद्योगिकियां।
- राज्य: तमिलनाडु।
- TIDCO की स्थापना: 1965।
- मेलबर्न विश्वविद्यालय की स्थापना: 1853।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी: व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2020)।
- प्रमुख व्यापार समझौता: भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA), 2022।

पांडवानी की दिग्गज तीजन बाई का निधन

- प्रसिद्ध पांडवानी प्रतिपादक और पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता तीजन बाई का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- तीजन बाई ने महाभारत पर आधारित अपने शक्तिशाली प्रदर्शन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पांडवानी लोक कला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

तीजन बाई कौन थीं?

- जन्म: 8 अगस्त 1956।
- जन्मस्थान: गनियारी गांव, दुर्ग जिला (वर्तमान छत्तीसगढ़)।
- कला रूप: पांडवानी (पंडवानी) लोक कथा।
- राज्य: छत्तीसगढ़।
- पांडवानी के सबसे महान प्रतिपादकों में से एक के रूप में पहचाने जाते हैं।

- पांडवानी की कापालिक शैली का प्रदर्शन करने वाली पहली महिलाओं में से, पारंपरिक रूप से पुरुष कलाकारों का प्रभुत्व था।
- एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में प्रदर्शनों के माध्यम से दुनिया भर में छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को लोकप्रिय बनाया।

पांडवानी क्या है?

- पांडवानी छत्तीसगढ़ की एक पारंपरिक लोक प्रदर्शन कला है, जिसमें महाभारत की कहानियां, विशेष रूप से पांडवों से संबंधित कहानियां, गायन, नाटकीय कहानी कहने और संगीत के माध्यम से सुनाई जाती हैं।

प्रमुख विशेषताऐं:

- उत्पत्ति: छत्तीसगढ़।
- थीम: महाभारत के एपिसोड।
- प्रदर्शन शैली: कहानी कहने, गायन, अभिनय और संगीत का संयोजन।
- मुख्य वाद्य: तंबूरा (एकतारा), अक्सर कथन के दौरान प्रतीकात्मक रूप से उपयोग किया जाता है।
- भाषाएँ: मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ी और हिंदी।

दो प्रमुख शैलियाँ:

वेदमती शैली

- कलाकार बैठकर सुनाता है।
- अधिक संयमित और पारंपरिक प्रस्तुति।

कापालिक शैली

- कलाकार खड़ा होता है और अभिव्यंजक इशारों के साथ कथा को नाटकीय बनाता है।
- तीजन बाई इस शैली के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गईं।

प्रमुख पुरस्कार और सम्मान:

- पद्म श्री – 1988।
- संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार – 1995
- पद्म भूषण – 2003।
- फुकुओका पुरस्कार (जापान) – 2018
- पद्म विभूषण – 2019
- संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप (रत्न सदा) - प्रदर्शन कला में भारत के सर्वोच्च सम्मानों में से एक।

संगीत नाटक अकादमी के बारे में:

- स्थापित: 1953.
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय।
- अध्यक्ष: संध्या पुरेचा
- प्रकार: संगीत, नृत्य और नाटक के लिए राष्ट्रीय अकादमी।

पद्म पुरस्कारों के बारे में:

- पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं।

श्रेणियाँ (वरीयता के क्रम में):

- भारत रत्न
- पद्म विभूषण
- पद्म भूषण
- पद्म श्री
- घोषणा: हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर।
- द्वारा सम्मानित: भारत के राष्ट्रपति।
- प्रशासनिक मंत्रालय: गृह मंत्रालय (एमएचए)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्तित्व: तीजन बाई।
- कला रूप: पांडवानी।
- राज्य: छत्तीसगढ़।
- सर्वोच्च नागरिक सम्मान: पद्म विभूषण (2019)
- अन्य प्रमुख पुरस्कार: पद्मश्री, पद्म भूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, फुकुओका पुरस्कार।

- पांडवानी थीम: महाभारत की कहानियां।
- दो शैलियाँ: वेदमती और कपालिक।
- नेशनल एकेडमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स: संगीत नाटक अकादमी।
- संगीत नाटक अकादमी का प्रशासनिक मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को जकार्ता की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो द्वारा इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, बिनतांग आदिपूर्णा (स्टार ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया - आदिपूर्णा क्लास) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को मान्यता देने के लिए दिया गया था।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवाहर लाल नेहरू के बाद इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान को प्राप्त करने वाले दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री बने।

बिनतांग आदिपूर्णा क्या है?

- बिनतांग आदिपूर्णा देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान इंडोनेशिया गणराज्य के स्टार (बिंटांग रिपब्लिक इंडोनेशिया) का सर्वोच्च वर्ग है। यह इंडोनेशिया के राष्ट्रपति द्वारा उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया गणराज्य की एकता, अखंडता, निरंतरता और समृद्धि के लिए असाधारण सेवा प्रदान की है। यह पुरस्कार इंडोनेशियाई नागरिकों और प्रतिष्ठित विदेशी नेताओं दोनों को प्रदान किया जा सकता है।

इंडोनेशिया गणराज्य के स्टार (बिंटांग रिपब्लिक इंडोनेशिया) के बारे में:

- स्थापित: 1959।
- द्वारा सम्मानित: इंडोनेशिया के राष्ट्रपति।
- सर्वोच्च सम्मान: इंडोनेशिया का सर्वोच्च क्रम योग्यता।
- पात्रता: इंडोनेशियाई नागरिक और विदेशी गणमान्य व्यक्ति।

कक्षाएं:

- आदिपूर्णा (उच्चतम)
- आदिप्रदाना
- उतमा
- प्रतमा
- नारया

- उद्देश्य: इंडोनेशिया की अखंडता, समृद्धि और महानता के लिए असाधारण योगदान का सम्मान करना।

भारत-इंडोनेशिया संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1950।
- व्यापक रणनीतिक साझेदारी: 2018 से।
- साझा समुद्री सीमा: अंडमान सागर के साथ।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- रक्षा और समुद्री सुरक्षा
- इंडो-पैसिफिक सहयोग
- व्यापार और निवेश
- डिजिटल अर्थव्यवस्था
- नवीकरणीय ऊर्जा
- अंतरिक्ष सहयोग
- आतंकवाद का मुकाबला
- नीली अर्थव्यवस्था

- दोनों देश भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और महासागर (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रॉस रीजन) विजन में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

इंडोनेशिया के बारे में:

- आधिकारिक नाम: इंडोनेशिया गणराज्य।
- राजधानी: जकार्ता।
- मुद्रा: इंडोनेशियाई रुपिया (IDR)।
- अध्यक्ष: प्रबोवो सुबिआंतो।
- विधानमंडल: पीपुल्स कंसल्टेटिव असेंबली (एमपीआर)।
- सबसे बड़ा द्वीपसमूह राष्ट्र: 17,000 से अधिक द्वीप।

के सदस्य:

- आसियान
- जी20
- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस)
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA)
- संयुक्त राष्ट्र (यूएन)

परीक्षा फोकस पॉइंट

- पुरस्कार: बिनतांग आदिपूर्णा (इंडोनेशिया गणराज्य के स्टार - आदिपूर्णा क्लास)।
- प्राप्तकर्ता: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी।
- द्वारा सम्मानित: राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो।
- देश: इंडोनेशिया।
- स्थापित: 1959।
- प्रकृति: इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक / राष्ट्रीय सम्मान।
- भारत-इंडोनेशिया राजनयिक संबंध: 1950।
- रणनीतिक साझेदारी: व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2018)।
- रीजनल पॉलिसी लिंक: एक्ट ईस्ट पॉलिसी और महासागर विजन।
- जवाहरलाल नेहरू के बाद यह सम्मान पाने वाले दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री

भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस मिसाइल आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा पर महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

- भारत और इंडोनेशिया ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता की आधिकारिक यात्रा के दौरान रणनीतिक समझौतों की एक श्रृंखला पर हस्ताक्षर किए, जो रक्षा, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वास्थ्य देखभाल और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करते हैं।
- इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति के लिए एक प्रमुख आकर्षण समझौता था, जिससे यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा निर्यात सौदों में से एक बन गया।
- दोनों देशों ने अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए समुद्री सुरक्षा, तटरक्षक सहयोग और हिंद-प्रशांत सुरक्षा बढ़ाने के लिए समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए।

प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए

- भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस मिसाइल आपूर्ति समझौता।
- हवा से हवा में मार करने वाला मिसाइल सहयोग समझौता जिसमें अस्त्र मिसाइल प्रणाली शामिल है।
- समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा सहयोग।
- महत्वपूर्ण खनिजों और रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग।
- स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण पर समझौते।
- ब्लू इकोनॉमी और आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाना।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली

- ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

प्रमुख विशेषताएं

- प्रकार: सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल।
- संयुक्त उद्यम: ब्रह्मोस एयरोस्पेस।
- द्वारा विकसित: DRDO (भारत) और NPO Mashinostroyeniya (रूस)।
- गति: मच 2.8-3.0 तक।
- रेंज: 290 किमी से अधिक (विस्तारित-रेंज वेरिएंट में लंबी रेंज होती है)।
- लॉन्च प्लेटफार्म:
- भूमि आधारित
- जहाज आधारित
- पनडुब्बी लॉन्च की गई

एयर-लॉन्च (Su-30MKI):

- क्षमता: भूमि और समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ सटीक हड़ताल।
- इसका नाम ब्रह्मपुत्र नदी (भारत) और मोस्कवा नदी (रूस) के नाम पर रखा गया है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के बारे में:

- स्थापित: 1998।
- प्रकृति: भारत-रूस संयुक्त उद्यम।
- भारतीय भागीदार: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)।
- रूसी भागीदार: एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- उद्देश्य: ब्रह्मोस मिसाइल प्रणालियों का डिजाइन, विकास, उत्पादन और निर्यात।

अस्त्र मिसाइल के बारे में:

- प्रकार: बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (BVRAAM)।
- द्वारा विकसित: डीआरडीओ।
- प्राथमिक उपयोगकर्ता: भारतीय वायु सेना।
- उद्देश्य: हवाई युद्ध और दुश्मन के विमानों का अवरोधन।
- Su-30MKI, LCA तेजस और अन्य संगत प्लेटफार्मों जैसे लड़ाकू विमानों के साथ एकीकरण के लिए डिज़ाइन किया गया।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और इंडोनेशिया।
- प्रमुख रक्षा सौदा: ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली।
- अतिरिक्त रक्षा सहयोग: एस्ट्रा हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल।
- रणनीतिक फोकस: समुद्री सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक सहयोग।
- संयुक्त उद्यम: ब्रह्मोस एयरोस्पेस (DRDO-NPO माशिनोस्ट्रोयेनिया)।
- ब्रह्मोस गति: मच 2.8-3.0।
- भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी: 2018
- साझा रणनीतिक जलमार्ग: मलक्का जलडमरूमध्य।
- प्रमुख भारतीय नीति: एक्ट ईस्ट पॉलिसी और महासागर विजन।
- महत्व: भारत के रक्षा निर्यात और इंडो-पैसिफिक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देना।

भारत और जापान ने यूनिकॉर्न नेवल मास्ट सिस्टम के लिए पहले रक्षा सह-विकास समझौते पर हस्ताक्षर किए

- भारत और जापान ने भारतीय नौसेना के लिए यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) नेवल मास्ट सिस्टम के संयुक्त विकास और लाइसेंस प्राप्त उत्पादन के लिए अपने पहले द्विपक्षीय रक्षा सह-विकास समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी में एक प्रमुख मील का पत्थर है और इसका उद्देश्य भविष्य के भारतीय नौसैनिक युद्धपोतों की स्टील्थ, संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना है।
- इस परियोजना को कार्यान्वयन ज्ञापन (एमओआई) के तहत जापानी भागीदारों के सहयोग से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के माध्यम से लागू किया जाएगा। यह समझौता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और जापान के बीच बढ़ते रणनीतिक अभिसरण को दर्शाता है।

यूनिकॉर्न नेवल मास्ट क्या है?

- यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) जापान द्वारा विकसित एक उन्नत एकीकृत नौसैनिक मस्तूल प्रणाली है जो कई संचार, रडार और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर को एक ही संरचना में जोड़ती है।
- यह पारंपरिक स्टैंडअलोन एंटेना को एक कॉम्पैक्ट एकीकृत मस्तूल के साथ बदल देता है, जिससे जहाज के रडार क्रॉस सेक्शन (आरसीएस) को कम किया जाता है और इसकी चुपके क्षमता में काफी सुधार होता है।

फ़ायदे:

- कम रडार हस्ताक्षर (चुपके)।
- एकीकृत संचार और रडार सिस्टम।
- बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता।
- बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता।
- पारंपरिक मस्तूल प्रणालियों की तुलना में कम रखरखाव और वजन।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के बारे में:

- स्थापित: 1954।
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
- प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
- प्रकार: नवरत्न रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (डीपीएसयू)।

भूमिका:

- रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स विकसित करता है।
- रडार सिस्टम, संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण करता है।
- भारतीय सशस्त्र बलों को उन्नत रक्षा उपकरणों की आपूर्ति करता है।

भारत-जापान रक्षा सहयोग:

- विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी: 2014 से।
- 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता: रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री मिलते हैं।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- रक्षा प्रौद्योगिकी।
- समुद्री सुरक्षा।
- हिंद-प्रशांत सहयोग।
- साइबर सुरक्षा।
- अंतरिक्ष सहयोग।
- महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां।
- आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन।

इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI) के बारे में:

- द्वारा लॉन्च किया गया: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी।
- वर्ष: 2019 (पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, बैंकॉक)।
- उद्देश्य: एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देना।

प्रमुख स्तंभ:

- समुद्री सुरक्षा।
- समुद्री पारिस्थितिकी।
- आपदा जोखिम में कमी।
- क्षमता निर्माण।
- संसाधन साझाकरण।
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक सहयोग।
- व्यापार कनेक्टिविटी।

रडार क्रॉस सेक्शन (RCS) के बारे में:

- रडार क्रॉस सेक्शन (आरसीएस) इस बात का माप है कि रडार द्वारा किसी वस्तु का पता लगाया जा सकता है।
- एक कम आरसीएस नौसेना के जहाजों को दुश्मन रडार सिस्टम द्वारा पता लगाने और ट्रैक करने के लिए अधिक कठिन बनाता है।
- यूनिकॉर्न जैसे एकीकृत मस्तूल सिस्टम युद्धपोत के रडार हस्ताक्षर को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- समझौता: पहला भारत-जापान रक्षा सह-विकास समझौता।
- परियोजना: यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) नेवल मास्ट।
- भारतीय भागीदार: भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)।
- क्षेत्र: नौसेना रक्षा प्रौद्योगिकी।
- उद्देश्य: चुपके, संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएँ।
- बीईएल का प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
- रणनीतिक साझेदारी: भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी।
- प्रमुख क्षेत्र: इंडो-पैसिफिक।
- राष्ट्रीय पहल समर्थित: आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया।
- प्रमुख लाभ: नौसैनिक युद्धपोतों के रडार क्रॉस सेक्शन (आरसीएस) में कमी।

इसरो ने गगनयान मिशन के लिए सॉल्व का पहला जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक किया

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी), श्रीहरिकोटा के स्टेटिक टेस्ट फैसिलिटी में सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स (SOLVE) सॉलिड मोटर का पहला ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया है।
- यह परीक्षण गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में एक प्रमुख मील का पत्थर है, क्योंकि सॉल्व वाहन विभिन्न मिशन स्थितियों के तहत क्रू मॉड्यूल रिकवरी और पैराशूट सिस्टम के सत्यापन सहित विभिन्न प्रकार के प्रयोगों का संचालन करने के लिए एक समर्पित मंच के रूप में काम करेगा। इसरो के

अनुसार, मोटर का प्रदर्शन सभी अपेक्षित मापदंडों से मेल खाता है, जो भविष्य के परीक्षण मिशनों के लिए प्रणाली की तत्परता की पुष्टि करता है।

SOLVE क्या है?

- SOLVE (सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स) गगनयान कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए इसरो द्वारा विकसित एक समर्पित ठोस मोटर-आधारित उप-कक्षीय परीक्षण वाहन है। यह वास्तविक चालक दल के प्रक्षेपण से पहले भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए आवश्यक प्रयोगों का संचालन करने और महत्वपूर्ण तकनीकों को मान्य करने के लिए एक लचीला और लागत प्रभावी मंच प्रदान करता है।

उद्देश्य:

- गगनयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण प्रणालियों का सत्यापन करना।
- सिम्युलेटेड उड़ान स्थितियों के तहत चालक दल की सुरक्षा और पुनर्प्राप्ति प्रौद्योगिकियों का परीक्षण करें।
- पैराशूट परिनियोजन और क्रू मॉड्यूल पुनर्प्राप्ति सिस्टम की जाँच करें।
- गगनयान की उड़ान भरने वाले और चालक दल वाली उड़ानों से पहले मिशन के जोखिम को कम करना।
- भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की विश्वसनीयता में सुधार।

गगनयान मिशन के बारे में

- गगनयान मिशन भारत का पहला स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (गगनयात्रियों) को लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- द्वारा कार्यान्वित: इसरो।
- प्रशासनिक मंत्रालय: अंतरिक्ष विभाग।
- द्वारा स्वीकृत: 2018 में केंद्रीय मंत्रिमंडल।
- मिशन का उद्देश्य: भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को लगभग 3 दिनों के लिए लो अर्थ ऑर्बिट में भेजना और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना।

मिशन घटक:

- क्रू मॉड्यूल।
- सेवा मॉड्यूल।
- मानव-रेटेड LVM3 लॉन्च व्हीकल।
- क्रू एस्केप सिस्टम।
- पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस)।
- मिशन से पहले कई मानव रहित परीक्षण उड़ानें और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन होंगे।

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) के बारे में:

- स्थान: श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश।
- पहले का नाम: श्रीहरिकोटा रेंज (SHAR)।
- भूमिका: भारत का प्राथमिक स्पेसपोर्ट और लॉन्च सेंटर।

मिशन के लिए लॉन्च साइट जैसे:

- पीएसएलवी
- जीएसएलवी
- एलवीएम3
- चंद्रयान
- आदित्य-एल1
- गगनयान मिशन।

इसरो के बारे में:

- स्थापित: 1969।
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
- प्रशासनिक मंत्रालय: अंतरिक्ष विभाग।
- अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन।
- संस्थापक: डॉ. विक्रम साराभाई।

प्रमुख मिशन:

- चंद्रयान कार्यक्रम।
- आदित्य-एल1.
- स्पैडेक्स।
- गगनयान।
- निसार (भारत-नासा मिशन)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- मिशन: गगनयान।
- नया परीक्षण वाहन: SOLVE (प्रयोगों के लिए उप-कक्षीय प्रक्षेपण यान)।
- संगठन: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)।
- ग्राउंड टेस्ट: पहले सॉलिड मोटर टेस्ट को हल करें।
- परीक्षा की तिथि: 3 जुलाई 2026।
- परीक्षण स्थान: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी), श्रीहरिकोटा।
- उद्देश्य: क्रू मॉड्यूल, पैराशूट और रिकवरी सिस्टम का सत्यापन।
- प्रशासनिक मंत्रालय: अंतरिक्ष विभाग।
- गगनयान के लिए प्रक्षेपण यान: मानव-रेटेड LVM3।
- महत्व: भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी सत्यापन।

लेट्स रिवाइज

- कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) में भारत के अगले राजदूत के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? संजीव जैन।
- थाईलैंड के पटाया में आयोजित अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में भारत ने कितने पदक जीते? 20 पदक (4 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य)।
- केवल 100 दिनों में द्विपा रक्षा और डीआरडीओ के एआरडीई द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किस स्वदेशी युद्धक राइफल ने सीएपीएफ द्वारा खरीद के लिए सेना और गृह मंत्रालय के परीक्षणों को मंजूरी दे दी है? यूजीआरएएम 7.62×51 एमएम बैटल राइफल।
- वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत अपने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला भारत का पहला राज्य कौन सा राज्य बन गया? मध्य प्रदेश।
- किस ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय ने तमिलनाडु में उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए TIDCO के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? मेलबर्न विश्वविद्यालय।
- किस प्रसिद्ध पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता को दुनिया भर में छत्तीसगढ़ से लोक कला रूप 'पांडवानी' को लोकप्रिय बनाने का श्रेय दिया जाता है? तीजन बाई।
- इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान कौन सा है जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी 2026 की जकार्ता यात्रा के दौरान प्रदान किया गया था? बिनतांग आदिपूर्णा (इंडोनेशिया गणराज्य का सितारा - आदिपूर्णा वर्ग)।
- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 2026 की जकार्ता यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच हस्ताक्षरित रक्षा समझौते में कौन सी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली शामिल थी? ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम।
- पहले भारत-जापान रक्षा सह-विकास समझौते के तहत संयुक्त रूप से कौन सी उन्नत नौसैनिक तकनीक विकसित की जा रही है? यूनिकॉर्न (यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना) नेवल मास्ट सिस्टम।
- किस इसरो परीक्षण वाहन ने गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकी सत्यापन का समर्थन करने के लिए अपना पहला जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया? SOLVE (प्रयोगों के लिए सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल)।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA